युवाशक्ति को सीखना और भारत को विकसित करना आवश्यक

आरडिनों एक ऐसा मैजिक है, जिसके द्वारा हम अपनी दिनचर्या से संबंधित बहुत सी वस्तुओं को बना सकते है। इसलिए इस उन्नत तकनीकी का उपयोग भारत की युवाशक्ति को सिखना एवं भारत में विकसित करना अति आवश्यक है, तभी भारत उन्नत तकनीकी के दृष्टिकोण से आत्म निर्भर बन सकेगा।

रायपुर। यह कहना पं. रविशंकर शुक्ल यूनिवर्सिटी में डॉ. संजय कुमार (आईटीएम यूनिवर्सिटी, कुलपति) का है। पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्लाय में तीन दिवसीय ऑरडिनों वर्कशॉप कम ट्रेनिंग का आयोजन इलेक्ट्रानिक्स एवं फोटोनिक्स अध्ययनशाला एवं एण्ड आइस इन्फोटेक प्रालि नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में किया गया। इस मौके पर डॉ. संजय कुमार ने इंडिया के विजन 2020 एवं 2025 पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि सन 2035 तक 65 प्रतिशत भारतीय युवा, शक्ति एवं जोश से परिपूर्ण होंगे। वह अपने जोश, संकल्प एवं दृढ़शक्ति से विश्व पर अलग छाप छोडेंगे। उन्होंने स्टूडेंट्स से भारत की रक्षा परिपूर्णता पर भी चर्चा की। छात्रों को

सफलता को दो पर्याय संकल्प एवं साधना का मंत्र दिया। कार्यशाला का उद्घाटन विश्वविद्यालय प्रेक्षागृह में विशिष्ट अतिथि डॉ. संजय कुमार (कुलपति, आईटीएम यूनिवर्सिटी) उपस्थित थे। इस अवसर पर रजिस्ट्रार धर्मेश कुमार साहू, कार्यक्रम संयोजिका एवं विभाध्यक्ष डॉ. कविता ठाकुर, वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. संजय तिवारी एवं एण्ड आइस इन्फोटेक प्रा. लि. डायरेक्टर अभिज्ञानम गिरी उपस्थित थे।

चीन से आगे भारत

डॉ. संजय कुमार ने बताया कि चीन और भारत का तकनीकी विकास 1970 के दशक में लगभग सामान था, परंतु 2017 के समय चीन, भारत की तुलना में तकनीकी क्षेत्र में बहुत आगे निकल चुका है। इस आरडिनों कार्यशाला के माध्यम से भारतीय युवा नई तकनीकी क्षेत्र में बहुत आगे निकल चुका है। कार्यशाला के माध्यम से भारतीय युवा नई तकनीकी क्रांति में अहम भूमिका निभा सकते है।

ओडिशा से भी आए स्टूडेंट्स

कार्यक्रम में रायपुर, भिलाई, दुर्ग, राजनांदगांव, भुवनेश्वर (ओडिशा) के विज्ञान एवं तकनीकी क्षेत्र के लगभग 450 स्टूडेंट्स उपस्थित हुए। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों को शॉल एवं श्रीफल से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन एमएससी तृतीय सेमेस्टर की छात्राओं के द्वारा किया गया।

कोडिंग को सीखा

कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में स्टूडेंट्स ने अभिज्ञानम गिरी एवं टीम के द्वारा उन्नत तकनीकी आरडिनों के बारे में जाना एवं विभिन्न उपकरणों को आरडिनो के साथ उपयोग में लाने के लिए कोडिंग भी सीखा। कार्यशाला दूसरे व तीसरे दिन आरडिनों का उपयोग करके प्रोजेक्ट बनाएंगे।

22-09-2017

मैजिक है आरडिनो सिस्टम : डॉ. कुमार

रविवि में तीन दिवसीय आरडिनो वर्कशॉप कम ट्रेनिंग प्रोग्राम का शुभारंभ

■ नवभारत रिपोर्टर | रायपुर.

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रॉनिक्स एंड फोटोनिक्स अध्ययनशाला और इंड आइस इंफोटेक प्राइवेट लिमिटेड नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में तीन दिवसीय आरडिनो वर्कशॉप कम ट्रेनिंग प्रोग्राम का शुभारंभ हुआ. विश्वविद्यालय प्रेक्षागृह में आयोजित उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि आईटीएम यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. संजय कुमार रहे.

डॉ. कुमार ने इस अवसर पर आरडिनो सिस्टम की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह एक मैजिक है, जिसके द्वारा हम अपनी दिनचर्या से संबंधित बहुत सी वस्तुएं बना सकते हैं. इसलिए इस उन्नत तकनीक का उपयोग भारत के युवाओं को सीखना और विकसित करना चाहिए. तभी भारत उन्नत तकनीक की दृष्टि से आत्मनिर्भर बन सकेगा. उन्होंने चीन का उदाहरण देते हुए कहा कि 1970 के दशक में भारत और चीन का तकनीकी विकास लगभग बराबर था. परंतु 2017 में चीन, भारत

वर्कशॉप में उद्बोधन सुनते प्रतिभागी और विद्यार्थी, इनसेट में डॉ. संजय कुमार

की तुलना में कहीं आगे निकल चुका है. कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कुलसचिव धर्मेश कुमार साहू ने क्लासरूम की शिक्षा को व्यावहारिक शिक्षा में बदलने का आह्वान प्रतिभागियों से किया. कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. कविता ठाकुर ने वर्कशॉप के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए विद्यार्थियों के स्किल डिवेलपमेंट को बढ़ावा देना अतिआवश्यक है. इसलिए इस कार्यशाला का आयोजन किया गया है. वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. संजय तिवारी ने विजन 2020 पर चर्चा करते हुए इकॉनामिक इंटेलिजेंस का ब्योरा देते हुए भारत में सुधरती रैंकिंग पर विस्तार से प्रकाश डाला.

423 विद्यार्थी हुए शामिल

वर्कशॉप में रायपुर, दुर्ग-भिलाई, राजनांदगांव, भुवनेश्वर (ओड़िशा) के विज्ञान एवं तकनीकी क्षेत्र के लगभग 423 विद्यार्थी शामिल हुए. वर्कशॉप के पहले दिन विद्यार्थियों ने उन्नत तकनीक आरडिनो के बारे जाना और विभिन्न उपकरणों को आरडिनो के साथ उपयोग में लाने के लिए कोडिंग भी सीखी.

सर्किट में सेंसर की भूमिका है महत्वपूर्ण

रायपुर ● छोटी-छोटी आवश्यकताओं की चीजें हमारे जीवन में बहुत महत्तवपूर्ण है। स्मार्ट फोन एप्स से आप हैकिंग का शिकार हो सकते हैं, इसलिए इस खतरे को रोकने के लिए एक नया एप विकसित कर रह सकते हैं।

कुछ ही मिनटों के ऑडियो सैंपल्स से हैकर आपकी आवाज को रीप्ले कर शीर्ष डिजिटल सिक्योरिटी सिस्टम्स के माध्यम से सुरक्षा की जा सकती है। इस तरह की सर्किट में कोडिंग कर आप अपने हिसाब से सर्किट व डेटा बेस तैयार कर सकते हैं। इनडेस इनफोटेस के ट्रेनिंग हेड अभिज्ञानम गिरी ने रविवि के इलेक्ट्रॉनिक डिपार्टमेंट के स्टूडेंट्स को बताया। यह आयोजन इलेक्ट्रॉनिक्स एवं फोटोनिक्स अध्यनशाला और इण्ड आइस इन्फोटेक नई दिल्ली के तत्वावधान में किया जा रहा है।

नई तरह से कर सकते है कोडिंग : आज के समय में बहुमंजिला इमारतों का चलन बढ़ गया है। इसके साथ ही आग लगने की संभावनाएं भी बढ़ जाती है। इसके लिए सर्किट में कई तरह की प्रोग्रामिंग कर लोगों के जीवन को सुरक्षित किया जा सकता है। एक्सपर्ट ने बताया कि एक सर्किट में सेंसर की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। इसे सही तरह से कब और कहां लगाना है इसका निर्णय सबसे जरूरी होता है।

लिफ्ट सिस्टम को अपग्रेड करने के फायदे : लिफ्ट में तीन चार तरह के सेंसर लगाए जा सकते है। इसमें व्यक्ति के फंस जाने पर ऑटोमेटिक कॉलिंग सिस्टम, एयर ऑप्शन पर अपग्रेड किया जा सकता है। इसके लिए सेंसर का मॉड्यूलेशन जरूरी है।

पत्रिका Sat, 23 September 2017
epaper.patrika.com//c/22382744

रविवि के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं फोटोनिक्स विभाग में 'ऑरडिनों' वर्कशॉप का आयोजन

अब बैठे-बैठे पंखा बंद करना सीखेंगे रविवि के स्टूडेंट्स

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

रायपुर ● 1970 के दशक में चीन और भारत तकनीकी क्षेत्र में लगभग समान था लेकिन आज चीन हमसे आगे है। आज हमें तकनीकी क्षेत्र में क्रांतिकारी भूमिका निभाने की जरूरत है। यह कहना था आईटीएम विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. संजय कुमार का। मौका था रविवि में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय स्तर 'ऑरडिनों' वर्कशॉप का। यह आयोजन इलेक्ट्रानिक्स एवं फोटोनिक्स अध्यनशाला और इण्ड आइस इन्फोटेक नई दिल्ली के तत्वावधान में किया जा रहा है। इस अवसर पर विद्यालय के रजिस्टार धर्मेश साहू, विभागाध्यक्ष डॉ. कविता ठाकुर और इण्ड आइस इन्फोटेक के डायरेक्टर अभिज्ञानम गिरी उपस्थित रहे।

एम्बेडेड मॉड्यूल

ऑरडिनो एक एम्बेडेड मॉड्यूल है जिसमें दैनिक जीवन में उपयोग की जाने वाली वस्तुओं को तकनीकी फील्ड से कंट्रोल किया जा सकता है। डॉ. कविता ठाकुर ने बताया कि ऑरडिनो एक ऐसी चिप डिवाइस है जिसका यूज करने से या किसी भी उपकरण में लगाने से उसे एक कोड के जरिए कंट्रोल कर सकते हैं।

शामिल हुए 400 स्टूडेंट्स : वर्कशॉप में रायपुर, राजनांदगांव, भिलाई, दुर्ग और भुवनेश्वर से करीब 423 छात्र शामिल हुए हैं। छात्रों ने संजय तिवारी से उदाहरण के लिए अगर आप बैठे-बैठे घर का पैन्न बंद करना चाहते हैं या दूसरे रूम से एसी को ऑफ करना चाहते हैं तो ऑरडिनो डिवाइस के जरिए वायरलेस सिस्टम कोडिंग करके उसे कंट्रोल किया जा सकता है। इसमें एलसीडी इंटरफेस, मोटर इंटरफेस, बजर इंटरफेस आदि फीचर्स हैं।

इंडिया विजन 2020 से 2035 तक तकनीकी विकास को लेकर चर्चा की। इसमें उन्होंने कहा कि 2035 तक युवा अगर सच्चे संकल्प और डेडीकेट होकर कार्य करें तो हम विश्व भर में अलग छाप छोड़ेंगे।